No. of Printed Pages : **6**

MEC-105

MASTER OF ARTS (ECONOMICS)

Term-End Examination

December, 2014 04588

MEC-105 : INDIAN ECONOMICS POLICY

Time : 3 hours *Maximum Marks : **100***

Note : *Answer the questions as per the instructions in each section.*

SECTION - A

Answer **any two** questions in about **700** words each : **2x20=40**

1. India has, by and large failed to gain so far from the 'Window of Demographic Opportunity'. Do you agree ? What policy Changes would you suggest in this connection ?

2. Indian industry, at the present stage of development, is faced with serious shortage of natural resources like land, water and minerals. Suggest policy measures to overcome these limitations.

3. 'Rapid economic growth is a necessary but not sufficient condition for removal of poverty in India'. Do you agree ? Outline the policy framework adopted in India in this context.

4. Monetary policy is always faced with a choice between three, often conflicting objectives, specially in a fast-emerging economy like India. Explain. Also make suggestions to make monetary policy more effective.

SECTION - B

Answer **any five** questions from this section in about **400** words each. **5x12=60**

5. 'Manufacturing sector, generally is capable of generating new job opportunities'. Is it true for India also ? Justify your answer.

6. Rapid economic growth makes increasing demand on infrastructure sector. Who should bear the burden of financing infrastructure programmes in an emerging economy like India ?

7. 'Indian agriculture suffers from inadequate capital formation'. Do you agree ? What needs to be done ?

8. What do you mean by 'food security' ? Do you think adequate policy measures have been taken in India to achieve this objective ?

9. India's export basket is rapidly changing. But the real weakness is slow growth of high-tech exports. Elaborate.

10. Is the rising current account deficit and fiscal deficit in an emerging economy a blessing or a curse ? Justify your answer and suggest a suitable policy framework.

11. Growing perception of corruption is hitting at the roots of growth. Suggest policy measures that can promote good governance.

12. The process of liberalisation, privatisation and globalisation has got stalled in India under the pressure of both domestic and international factor. Explain.

कला निष्णात (अर्थशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2014

एम.ई.सी.-105 : भारतीय आर्थिक नीति

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

***नोट** : प्रत्येक खंड में दिये गये निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दें।*

खंड-क

इस खंड से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। **2x20=40**

1. 'कुल मिलाकर भारत जनांकिकीय अवसर की खिड़की से लाभ प्राप्त करने में असफल रहा है।' क्या आप इस कथन से सहमत हैं? इस विषय में आप किन-किन नीतिगत सुझावों को देना चाहेंगे?

2. विकास के वर्तमान चरण में भारतीय उद्योग प्राकृतिक संसाधनों जैसे भूमि, जल तथा खनिज़ पदार्थों के गम्भीर कमी की चुनौती से जूझ रहा है। इन सीमाओं से निदान पाने के लिए नीतिगत उपायों के सुझाव दें।

3. 'भारत में गरीबी निवारण हेतु तेज आर्थिक संवृद्धि आवश्यक तो है पर पर्याप्त नहीं है।' क्या आप इस कथन से सहमत हैं? इस संदर्भ में भारत द्वारा अपनाये गये नीतिगत ढाँचे की विवेचना कीजिए।

4. ''भारत जैसी तेजी से उदीयमान अर्थव्यवस्था में मौद्रिक नीति सदा ही तीन उद्देश्यों के बीच संघर्ष से जूझती रही है।'' व्याख्या कीजिए। मौद्रिक नीति को अधिक प्रभावी बनाने हेतु सुझाव भी दें।

खंड - ख

निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **400** शब्दों में देना है। **5x12=60**

5. 'सामान्यरूप से विनिर्माण क्षेत्र नए रोजगार के अवसर पैदा करने में सक्षम है'। क्या यह बात भारत के विषय में भी सच है? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दें।

6. तेज आर्थिक संवृद्धि से आधारभूत संरचना की माँग बढ़ती है। भारत जैसी उदीयमान अर्थव्यवस्था में आधारभूत संरचना के वित्तीयन का भार किसको वहन करना चाहिए?

7. 'भारतीय कृषि अपर्याप्त पूँजी निर्माण से पीड़ित है।' क्या आप इस कथन से सहमत हैं? इस विषय में क्या करना चाहिए?

8. 'खाद्य सुरक्षा' से आप क्या समझते हैं? क्या आप ऐसा मानते हैं कि इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु भारत में पर्याप्त नीतिगत उपाय किये गये हैं?

9. भारत की निर्यात टोकरी तेजी से बदल रही है। परंतु उच्च तकनीक निर्यात की मन्द संवृद्धि इसकी प्रमुख कमजोरी है। व्याख्या करें।

10. एक उदीयमान अर्थव्यवस्था में बढ़ता हुआ चालू खाते में घाटा तथा वित्तिय घाटा वरदान है अथवा अभिशाप? अपने उत्तर के समर्थन में तर्क दें साथ ही उपयुक्त नीतिगत सुझाव भी दें।

11. भ्रष्टाचार का बढ़ता प्रत्यक्षज्ञान संवृद्धि की जड़ों पर आघात कर रहा है। ऐसे नीतिगत सुझाव दें जो सुशासन को प्रोत्साहित करें।

12. घरेलू एवं वैश्विक कारकों के दबाव में भारत में उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्वीकरण की प्रक्रिया अवरुद्ध हुई है। व्याख्या करें।